निर्माण कार्य पूरा कराना

''क'' 12. श्री संजय सिंह टाईगर--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिले के कोइलवर में वर्ष 2000 में ही मानसिक आरोग्यशाला हेतु कार्य प्रारंभ किया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि 10 वर्ष बीत जाने के बाद भी उक्त मानसिक आरोग्यशाला का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है और इसके निमित भवनों में ही सी०आर०पी०एफ० कैम्प चल रहा है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त आरोग्यशाला में आउटडोर सेवा शुरू हो चुकी है परन्तु भवन, शय्या, आवश्यक उपकरण के अभाव में इंडोर सेवा शुरू नहीं हो सकी है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त आरोग्यशाला के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराते हुए उसे पूर्णरूपेण चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

38. श्री अख्तरूल ईमान--दिनांक 6 दिसम्बर, 2010 को दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक ''कोशी में नकली सरसों तेल की धार'' के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पूर्णिया, सहरसा, फारबिसगंज, कटिहार एवं किशनगंज में नकली सरसों तेल की 10 फैक्ट्रियां चल रही है जो अलग-अलग ब्रांड जैसे-चाँद, टार्जन, कैप्टन रायल गोल्ड पूजा एवं आम कम्पनी का लेबल लगाकर बेचते हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नकली सरसों तेल की फैक्ट्रियों के सम्बन्ध में डी०आई०जी०, पूर्णिया ने संबंधित सभी पुलिस अधीक्षक को जांच कर कार्रवाई करने का माह दिसम्बर, 2010 में निदेश दिया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो नकली सरसों तेल बनाने वाली उक्त सभी फैक्ट्रियों के मालिक पर अबतक कौन-सी कार्रवाई की गई, नहीं, तो क्यों ?

जांच कराना

39. श्री चन्द्रशेखर-- स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 6 फरवरी, 2011 को प्रकाशित शीर्षक ''पी०एम०सी०एच० में खरीदी गयी एक्सपायर्ड दवाएं'' के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पी०एम०सी०एच० के नेफ्रोलॉजी विभाग के लिये वित्तीय वर्ष 2009-10 में आठ वर्षों के लिए अग्रिम रूप से 15 करोड़ की दवाइयां खरीदी गईं;

(2) क्या यह बात सही है कि सूर्या विभाग में 12 लाख 48 हजार रुपये के एच०डी० फ्लुइड की खरीद की गई जबकि यह फ्लुइड 10 लीटर के 2400 जार पूर्व से ही भंडार में मौजूद थे;

(3) क्या यह बात सही है कि इसमें 8 लाख 26 हजार आठ सौ बहत्तर रुपये की दवाएं एक्सपायर्ड है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस खरीद की जांच कराते हुए जिम्मेवार लोगों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नोट-''क'' दिनांक 25 फरवरी, 2011 एवं 4 मार्च, 2011 को सदन द्वारा स्थगित।

नोट- प्रश्न सं० 38 खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पत्रांक 1702, दिनांक 28 फरवरी, 2011 द्वारा स्वास्थ्य विभाग में स्थानान्तरित।

पटना:
दिनांक 11 मार्च, 2011 (ई०)।

गिरीश झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा।

बि०स०मु० (एल०ए०), 136-डी०टी०पी०--450